882/872

दैनिक जागरण
जागरण सिटी
पृ० - 3
29-5-2014

पौधशाला की तैयारी करें शुरू

पूसा स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिकों ने आगामी दिनों में तापमान बढ़ने की संभावना के मद्देनजर सलाह दी है कि सब्जियों व अन्य फसलों की सुबह-शाम नियमित रूप से हल्की सिंचाई करते रहें। जून के प्रथम सप्ताह से लंबी अवधि में तैयार होने वाले धान के पौध की रोपाई भी शुरू की जा सकती है। रोपाई से जुड़ी तैयारियां शुरू कर दें। एक एकड़ में धान की खेती के लिए कम से कम 200 वर्गमीटर क्षेत्र में पौध तैयार करना चाहिए। पौध तैयार करने से पहले बीज का चयन कर उसे उपचारित करें। पौधशाला की जगह पर देशी खाद का छिड़काव करे। दो से तीन बार सिंचाई करें। खेत में क्यारी बनाएं। दो क्यारियों के बीच कम से कम डेढ़ फुट का अंतराल हो। क्यारी की चौड़ाई एक मीटर तक हो सकती है। इस मौसम में अगेती फूलगोभी की पौधशाला बना सकते हैं। पौधशाला को 20 से 30 माइक्रोन की प्लास्टिक से ढककर सूर्य तापीकरण करें। इससे जमीन में रहने वाले जीवाणु नष्ट हो जाएंगे। टमाटर, हरी मिर्च और बैंगन की पौधशाला के लिए भी यह समय उपयुक्त है। इसके लिए कीटरोधी नाईलॉन की जाली का प्रयोग करें।

फल मक्खी की निगरानी करें

कद्दूवर्गीय सब्जियों में फल मक्खी की निगरानी करते रहें। इससे बचाव के लिए मिथाइल यूजीनॉल ट्रैप का प्रयोग किया जा सकता है। फल मक्खी के लक्षण पाए जाने पर इंडोसल्फान 35 ईसी की दो मिलीलीटर मात्रा व दस ग्राम चीनी या गुड़ को एक लीटर पानी में मिलाकर घोल तैयार करें। एक हेक्टेयर खेत में करीब 50 लीटर तैयार घोल का छिड़काव करें।

अरहर के लिए तैयार करें खेत

अरहर की बुवाई के लिए खेत को तैयार करें। प्रमाणित जगह से ही बीज खरीदें। बुवाई से पहले राइजोबियम तथा फास्फोरस में घुलनशील बैक्टीरिया से उपचारित करें। इस उपचार से बीजों में अंकुरण तथा उत्पादन में वृद्धि होती है। अरहर की उपयुक्त किस्मों में पूसा 2001, पूसा 991, पूसा 992, पारस मानक, यूपीएएस 120 उपयुक्त है।

बेलवाली फसलों में नमी बनाए रखें

इस मौसम में बेलवाली फसलों में न्यूनतम नमी बनाए रखें। मिट्टी में कम नमी होने से फूल व परागण पर असर पड़ेगा। जिससे फसल उत्पादन में कमी आ सकती है। मिर्च के खेत में विषाणु से ग्रसित पौधों को उखाड़कर जमीन में दबा दें। इसके बाद इमिडाक्लोप्रिड का खेत में छिड़काव करें। भिंडी की फसल की तुड़ाई के बाद खेत मे प्रति एकड़ की दर से यूरिया डालें।

सुनीता गुप्ता
30/5/14
प्रभारी पत्रिका एवं समाचार पत्र अनुभाग
(प्रकाशन)

प्रतिलिपि :-
1. निदेशक कार्यालय
2- संयुक्त निदेशक (प्रसार)
3- अधिष्ठाता/संयुक्त निदेशक (शिक्षा)
4- प्रभारी, यू. एस. आई
5- प्रभारी, पी. पी- आई.
6- प्रभारी कैटेट